ISBN : 978-81-8111-272-9

© डॉ. रंजित एम.

प्रकाशक : गोविन्द पचौरी
जवाहर पुस्तकालय
हिन्दी पुस्तक प्रकाशक एवं वितरक
सदर बाजार, मथुरा (उ.प्र.)-281001
दूरभाष : (मो.) 09897000951
ई-मेल : jawahar.pustakalaya@gmail.com
संस्करण : सन् 2014
मूल्य : 250.00 (दो सौ पचास रुपये मात्र)
शब्दांकन : गौरव ग्राफिक्स, मो. 09873991984
मुद्रक : लक्ष्मी प्रिंट्स, दिल्ली

पुरोवाक्

समाज के निर्माण में नारी की महत्त्वपूर्ण भूमिका है। भारतीय परम्परा में नारी पूजनीय थी। लेकिन वक्त के बीतने से उसकी वह पूजनीयता नष्ट हो गई। कहाँ-कैसे यह किसी को नहीं पता। आज उसकी दशा सम्मिक्ष है। ऐसा कहना ही उचित होगा।

साहित्य समाज का आईना है। साहित्य में नारी का क्या स्थान था, अब कौन-सा स्थान है, इसी विषय पर इस संग्रह के लेखों में विचार किया है। विश्व विद्यालयी अनुदान आयोग की सहायता से चलाए गए राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रस्तुत किए गए विचारों को समेट कर प्रबुद्ध पाठकों के आगे प्रस्तुत कर रहे हैं।

ऐसी परिस्थिति में उसकी सामाजिक स्थिति पर विचार करना समीचीन होगा। इस पर हमारे कॉलेज में एक संगोष्ठी हुई थी। संगोष्ठी में जितने भी प्रपत्र प्रस्तुत किए गए, उनमें से गुज़रे समय की स्त्री को जिन-जिन निराली समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है; उसका विहंगम दर्शन हम कर सकते हैं। स्त्री की इन समस्याओं को समाज या पाठकों के सामने लाना एक अध्यापक, नागरिक या साहित्यि प्रेमी होने के नाते हमारा कर्त्तव्य है। उच्च वर्ग की हो या मध्य-निम्न वर्ग की; पढ़ी-लिखी हो या अनपढ़; स्त्री की समस्या के तह में जाने पर हमें मालूम होगा कि उनमें समानताएँ ही ज्यादा हैं।

डॉ. रंजित एम.

जन्म : तलश्शेरी, कण्णूर (जिला), केरल
पिता : **सी.एम. माधवन**
माता : **के. के. पद्मजा**
पत्नी : **डॉ. सूर्या बोस**
शिक्षा : एम.ए. (हिन्दी), एम.फिल (हिन्दी) (कालिकट वि.वि.); बी.एख़ (कण्णूर वि.वि.); पी.जी. डिप्लोमा इन ट्रांसलेशन (कालिकट वि.वि.); डिप्लोमा इन हिन्दी (केन्द्रीय हिन्दी निदेशालय, नई दिल्ली); राष्ट्रभाषा प्रवीण (दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा, मद्रास); एल.टी.टी. (केरल सरकार); पी-एच.डी. (कालिकट वि.वि.)
प्रकाशन : 1. अज्ञेय के तारसप्तक
2. प्रतिष्ठित पत्र-पत्रिकाओं में कविता, कहानी लेख, यात्रावृत्त
3. हिन्दी सूफ़ी काव्यों में समाज दर्शन
सम्प्रति : अध्यक्ष, हिन्दी विभाग, एम.ई.एस. अस्माबी कॉलेज, कोडुङ्गल्लूर, त्रिशूर (जिला), केरल

डॉ. सूर्या बोस

जन्म : कोट्टियम कोल्लम (जिला), केरल
पिता : **सुभाष चन्द्र बोस**
माता : **विजय लक्ष्मी**
पति : **डॉ. रंजित एम.**
शिक्षा : एम.ए. (हिन्दी, केरल वि.वि.)
एम.फिल (हिन्दी, कालिकट वि.वि.)
पी.जी. डिप्लोमा इन ट्रांसलेशन (कालिकट वि.वि.)
पी-एच.डी. (कालिकट वि.वि.)
प्रकाशन : प्रतिष्ठित पत्र-पत्रिकाओं में कहानी, लेख यात्रा-वृत्त
सम्प्रति : ऐ.एच.आर.डी. कॉलेज ऑफ अण्लै सयनस, एडविलंग में सहायक आचार्य

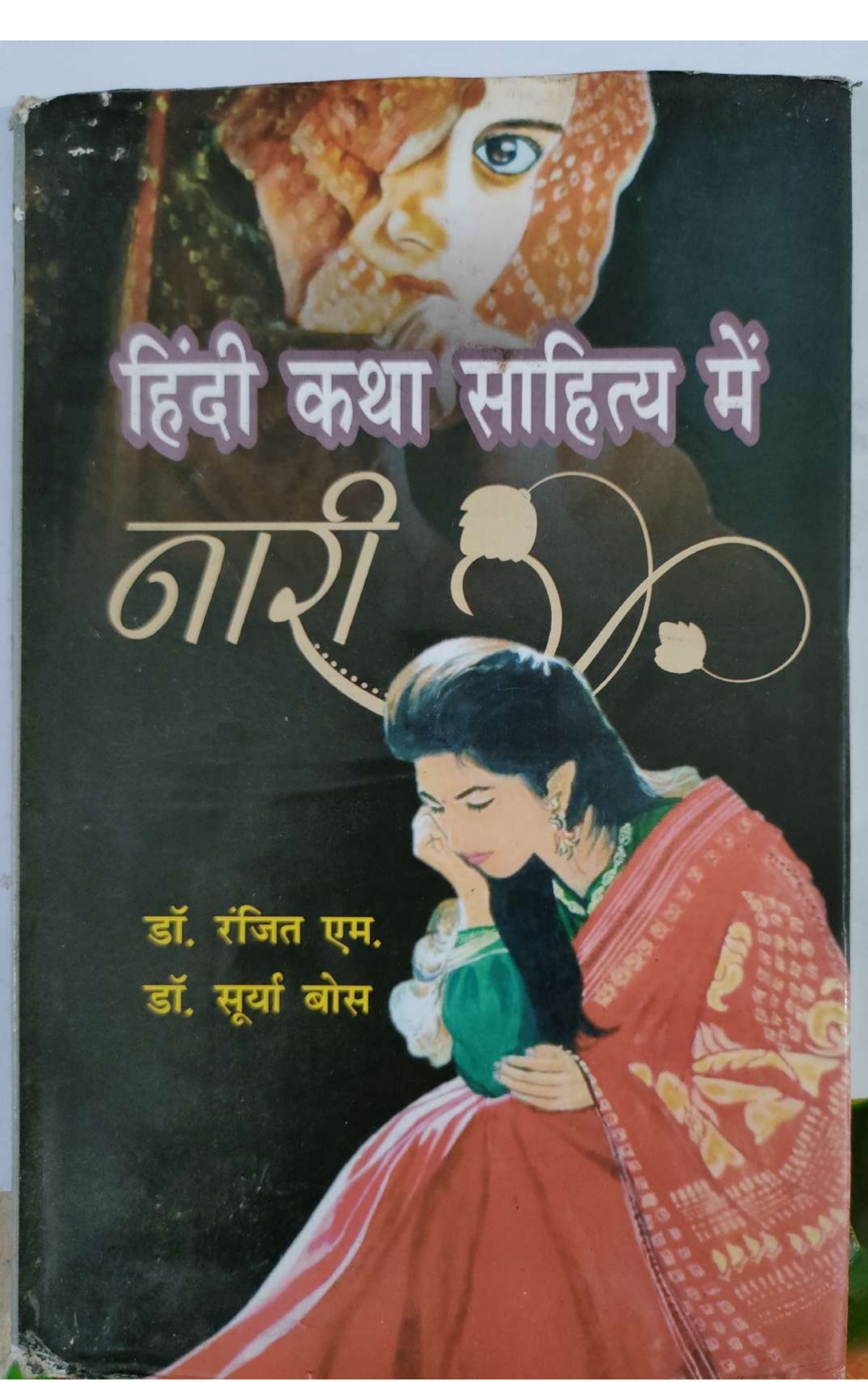
हिंदी कथा साहित्य में
नारी
डॉ. रंजित एम.
डॉ. सूर्या बोस